



चेतना

विद्यालय दैनिक पत्रिका

मंगलवार

बिहार

24 सितंबर 2024

Tuesday

वर्ष: 3

प्रादेशिक संस्करण



शिक्षकों का, शिक्षकों के लिए और शिक्षकों द्वारा प्रकाशित

विश्व सफाई दिवस



संपादकीय

चेतना सत्र

संविधान

अर्धवार्षिक मूल्यांकन 2024 (समय सारणी)

पीएम पोषण योजना

...

रक्माबाई राजत

भारत की प्रथम महिला चिकित्सक थीं। वह एक ऐतिहासिक क्रांती मामले के केंद्र में थीं थीं, जिसके परिणामस्वरूप 'एज ऑफ कॉन्सिड' एक्ट, 1891 नामक कानून बना था। रक्माबाई को अंग्रेज कानून की इच्छा थी और वे लोगों की सेवा करना चाहती थीं। उनके इस फैसले को परखतार और लोगों का समर्थन मिला। इसके लिए 'एजेंट ऑफ मैडिसिन' में भेजने और पढ़ाई के लिए एक फंड तैयार किया गया था। वहीं से रक्माबाई ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 1895 में वापस भारत लौटीं।

22 नवम्बर, 1864 - 25 सितम्बर, 1955

की पुण्यतिथि पर कोटि - कोटि नमन।

सितम्बर						
सो.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	र.
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

6-7 तीज

16 हजरत मुहम्मद साहब जन्म दिवस

17 अनंत चतुर्दशी

25 जिउतिया



Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy F62





अनिल कुमार प्रभाकर
प्रधान संपादक

कला एवं प्रबंध संपादक



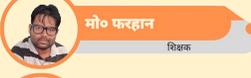
श्रीमती बबिता कुमारी
शिक्षिका



श्रीमती अध्याशा
शिक्षिका



श्रीमती रिकु कुमारी
शिक्षिका



मो० फरहान
शिक्षक



श्री मिथुन कुमार राय
शिक्षक



सुश्री नेहा कुमारी
शिक्षिका



श्रीमती सिमरन कुमारी
शिक्षिका



श्रीमती स्निधा
शिक्षिका

प्रिय गुरुजन !

आज समाज और देश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न है शिक्षा किस लिए दी जाए? विभिन्न मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षा विशारदों ने शिक्षा के विभिन्न उद्देश्य बतलाए हैं। किसी विद्वान का मत है कि "विद्या के लिए विद्या" है तो दूसरे विद्वान का मत है कि आजीविका या व्यवसाय के लिए तैयार करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। कुछ विद्वानों का मत है कि मनुष्य का शारीरिक, मानसिक, नैतिक तथा अन्य सभी पहलुओं से विकास करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। कुछ लोग सचरित्र निर्माण को शिक्षा का उद्देश्य मानते हैं।

वैदिक ऋषियों के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य है मानव का सर्वांगीण विकास अर्थात् मानव जीवन का जो उद्देश्य है उस उद्देश्य तक पहुँचना ही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। मानव जीवन का उद्देश्य पुरुषार्थ-मोक्ष। इसके लिए हमें शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक सभी नियमों का ज्ञान होना चाहिए। घर में हम अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करें, समाज में कैसा उत्तम नागरिक बनें, साथियों के साथ कैसा व्यवहार करें, आजीविका के लिए क्या करें, सामाजिक तथा राजनैतिक समस्याओं का क्या हल निकालें। संक्षेप में हर बात में हम पूर्ण हों किसी में अधूरी न रहें, यह वैदिक ऋषियों की शिक्षा का उद्देश्य है। यदि हम अपना सर्वांगीण विकास करते हुए पुरुषार्थ को प्राप्त कर सकें, तो हमारी शिक्षा सफल शिक्षा है अन्यथा नहीं।

इसका निष्कर्ष यह है कि शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास और सर्वांगीण विकास का अर्थ है - मानसिक, शारीरिक और रचनात्मक कौशल का विकास। चेतना विद्यालय दैनिक पत्रिका इन उद्देश्यों की पूर्ति के साधनों का एक प्रमुख अंग है। "चेतना" विद्यालय दैनिक पत्रिका जहाँ एक ओर बालमन की कोमल भावनाओं के फूटते अंकुरों का पोषण करती है वहीं बालमन का पल-पल विकास होते देखकर परम संतोष का अनुभव होता है ठीक वैसे ही जैसे खिलते हुए फूलों को देखकर माली को होता है जो उन्हें सींचता है।

आपकी सर्वांगीण एवं लोकप्रिय विद्यालय दैनिक पत्रिका "चेतना" का आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं संतोष की अनुभूति हो रही है, पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। प्रकाशन से संबंधित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक उपयोगी बन पाया है।



शैक्षिक पोस्ट नियमावली- 2

सभी शिक्षकों से विनम्र निवेदन

कृपया अपने पोस्ट में गतिविधि/कार्यक्रम/अवसर के नाम और उद्देश्य के साथ-साथ विद्यालय का नाम व पता अवश्य लिखें। ऐसा करने से अन्य सदस्यों को भी सुविधा होगी और हमारी टीम आपके विद्यालय के नाम के साथ आपके प्रयासों को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर सकेगी।

आपका सहयोग अपेक्षित है।
धन्यवाद।
'टीम टीचर्स ऑफ बिहार'

www.teachersofbihar.org

आपदा प्रबंधन विभाग

बाढ़ से सुरक्षित रहने की सम्पूर्ण जानकारी

बाढ़ के दौरान

- बाढ़ के पानी में डूबना न करें
- बाढ़ के पानी में जाने से बचें, यदि जरूरी हो तो पैरों में उजड़े चूते पहनें सीवर लाइन, गटर, नाला, पुलिया आदि से दूर रहें
- बिजली के सम्पर्क और गिरे / टूटे हुए बिजली के तारों से बच कर रहें, इन से बिजली के जानलेवा झटके लग सकते हैं
- ताज़ा पका हुआ अथवा सूखा खाना खाएं, खाने को हमेशा ढंक कर रहें
- पानी उगालकर / क्लोरिन डालकर पीएं, डिसिन्फेक्टेंट से अपने आसपास की जगहों को साफ रहें

किसी भी आपदाकालीन सहायता के लिए आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य आपदाकालीन संचालन केंद्र पर संपर्क करें।

हेल्पलाइन नंबर - 0612-2294204/205
टेल ग्री नंबर - 1070

[@IBRD Bihar](https://www.facebook.com/IBRD Bihar) [@IBDRDMD](https://www.facebook.com/IBDRDMD) [/BiharDisasterManagement](https://www.facebook.com/IBiharDisasterManagement)

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग

Citizen Service (नागरिक सुविधाओं) के बारे में जानकारी - भाग-3

घर बैठे अपनी जमीन का लगान Online भुगतान करें!

भू-लगान सुविधा का लाभ उठायें

- <https://biharbhumi.bihar.gov.in/> को खोलें तथा "भू-लगान" पर क्लिक करें।
- अगर आप **registered User** है तो आप अपना मोबाइल **no** की मदद से लॉगिन करें (अगर नए **User** है तो पहले आप रजिस्ट्रेशन करें) तथा लॉगिन के पश्चात "लगान भुगतान करें" पर क्लिक करें।
- उसके बाद जिस जमाबंदी का लगान भुगतान करना है उस जमाबंदी का जिला, अंचल, इलका, मीजा एवं जमाबंदी से संबंधित विवरण (तथा भाग-पुर्च, रैयत नाम, खाता, खेसरा, जमाबंदी सं० कम्प्यूटराइज्ड जमाबंदी सं० आदि) भरकर रैयत अपनी जमाबंदी पंजी के पेज को जायें, जिसके पश्चात अपनी जमाबंदी के आगे दिये गये देखें बटन पर क्लिक करें।
- देखें बटन **click** करने के पश्चात जमाबंदी तथा लगान से संबंधित सभी सूचनाएँ तथा बकाया राशि कम्प्यूटर के स्क्रीन पर दिखने लगेंगी।
- अब रैयत को लगान भुगतान करने हेतु वेब-पेज दिखाई देगा, जहाँ लगान भुगतान हेतु दो विकल्प उपलब्ध होंगे।
- E-payment**
 - Online net banking -PNB, IDBI, SBI, UBI, Canara Bank, Bank of Baroda only.
 - UPI-SBI
 - Debit and Credit Card-SBI
- Payment over the bank counter through challan (Only PNB & SBI)**
- E-payment** के माध्यम से भू-लगान के सफल भुगतान के बाद रैयतों को लगान रसीद की प्रति प्राप्त हो जाएगी।
- बैंक चलान की प्रति प्राप्त होगी, जिसे रैयत अपने बैंक में जाकर **challan** के माध्यम से भू-लगान का भुगतान कर सकेंगे तथा लगान रसीद की प्रति ये अपने जमाबंदी पंजी पृष्ठ से देख सकेंगे।

PR No. 083806 (Revamp)ID. 2024-25

Follow us: [RevenueBihar](https://www.facebook.com/RevenueBihar) [BiharRevenue](https://www.facebook.com/BiharRevenue)



चेतना टीम

समस्तीपुर

फिन - 848207 (बिहार)

मो. +91 9473119007

Email : chetanastr@gmail.com

<https://t.me/TeacherHelpline>

<https://www.teachersofbihar.org/>

नोट : रविवार के दिन खुलने वाले विद्यालय शुक्रवार के दिन प्रकाशित होने वाले चेतना का उपयोग कर सकते हैं।

1. प्रार्थना



प्रार्थना

इतनी शक्ति हमें देना दाता मनका विश्वास कमज़ोर हो ना हम चलें नैक रास्ते पे हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना...
इतनी शक्ति...
दूर अज्ञान के हो अन्धेरे तू हमें ज्ञान की रौशनी दे
हर बुराई से बचके रहें हम जितनी भी दे, भली ज़िन्दगी दे
बैर हो ना किसी का किसी से भावना मन में बदले की हो ना...
इतनी शक्ति...
हम न सोचें हमें क्या मिला है हम ये सोचें किया क्या है अर्पण
फूल खुशियों के बाटें सभी को सबका जीवन ही बन जाये मधुबन
अपनी करुणा का जल तू बहा दे करदे पावन हर इक मन का
कोना...

इतनी शक्ति हमें देना दाता, मनका विश्वास कमज़ोर हो ना...

अभियान गीत

हम प्राथमिक विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चे हैं।
शैतानी करते हैं खूब दिल के लेकिन सच्चे हैं।।
साफ सफाई से रहने को मैम ने हमें बताया है।
खुले में शौच बुरी आदत है,हमको ये समझाया है।
हॉथ धोकर खाना खाते ,बच्चे वे ही अच्छे हैं। हम प्राथमिक
देश हमारा भारत हमको देश से प्रेम करना है।
हर व्यक्ति को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है।
सपने हैं हिम्मत है हममें , उग्र मे थोड़े कच्चे हैं। हम प्राथमिक.....
गांव प्रदेश देश बनता है ,गांव अभी भी पिछड़े हैं।
बेटी बोझ समझते सब है , गलत सोच मे जकड़े हैं।
महिलाओ के विकास पथ पे अभी सैकड़ो गच्चे हैं। हम प्राथमिक.....
अच्छी बाते सीख सीख विद्यालय से हम आते हैं।
कहीं ना पाया ऐसा ज्ञान विद्यालय मे पाते हैं।
स्कूल चलो सब साथी मिलकर, स्कूल ही साथी सच्चे है। हम प्राथमिक
बात गूढ़ ये जानो तुम, ज्ञान का पाठ पढना है।
ज्ञान से ये जीवन बदलेगा ,ज्ञान ही अपना गहना है।
विद्यालय मंदिर है अपना, ज्ञानदीप हम बच्चे हैं। हम प्राथमिक

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खुबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय बिहार

- एम. आर. विश्वी

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू ही अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

जिस तरह जोहरी ही असली हीरे की पहचान कर सकता है, उसी तरह गुनी ही गुणवान की पहचान कर सकता है। - कबीर

3. शब्द ज्ञान

English		
WAIT	वेट	प्रतीक्षा करना
WAKE	वेक	जागना
WALK	वॉक	टहलना
WANT	वांट	चाहना
Run	रन	दौड़ना

हिन्दी		
खादिम	सेवक	
गौरव	बड़प्पन	
गुनाह	अपराध	
गाथा	कहानी	
चमन	फुलवारी	

संस्कृत		
संलग्नः	लगा हुआ	
मृत्तिकाम्	मिट्टी को	
अनावृष्टेः	कम वर्षा की	
विनीतः	विनम्र	
षोडशे	सोलहवें	

اردو (उर्दू)		
وجود	Wajood	शरीर
وجوہات	Wajuhaat	कारण
وجیہ	Wajeeha	सुंदर
وحشت	Wehsat	डर
ورن	Waran	सुरत

4. दिवस ज्ञान

विश्व सफाई दिवस

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

- | | |
|---|-----------------------|
| 1. इतिहास का पिता किसे कहा जाता है? | : हेरोडोटस |
| 2. पेट में स्रावित होने वाले अम्ल का नाम बताएं? | : हाइड्रोक्लोरिक अम्ल |
| 3. WWW का अर्थ है? | : वर्ल्ड वाइड वेब |
| 4. प्रथम विश्व युद्ध कब हुआ था? | : 1914 |
| 5. ओजोन परत वायुमंडल की किस परत में है? | : समताप मंडल |

6. तर्क ज्ञान

- | | |
|--|-------------------|
| 1. स्वैच्छिक शब्द में कौन सा प्रत्यय है? | : इक |
| 2. एक त्रिभुज के कोणों का माप 105 डिग्री ,29 डिग्री ,46 डिग्री है, तो बताइए वह किस प्रकार का त्रिभुज है? | : अधिककोण त्रिभुज |
| 3. दो अंको वाली संख्या के वर्ग में कितने अंक होते हैं? | : 3 अथवा 4 |
| 4. घरों में खाद्य पदार्थों के परिरक्षण के लिए सामान्यता उपयोग करते हैं? | : नमक |
| 5. भारत की सशस्त्र सेनाओं का सुप्रीम कमांडर कौन होता है? | : राष्ट्रपति |

7. मुहावरे

- | | |
|---------------------|-------------------------|
| 1. अछूता होना | : बेदाग होना |
| 2. अंधे की लकड़ी | : एकमात्र सहारा |
| 3. अंधेर नगरी | : अत्यंत अन्याय |
| 4. अपना ठिकाना करना | : रहने का प्रबंध करना |
| 5. अपना राग अलापना | : केवल अपनी ही बात कहना |

8. प्रेरक प्रसंग

संघर्ष का महत्व

एक बार एक किसान परमात्मा से बड़ा नाराज हो गया। कभी बाढ़ आ जाये, कभी सूखा पड़ जाए, कभी धूप बहुत तेज हो जाए तो कभी ओले पड़ जाये। हर बार कुछ ना कुछ कारण से उसकी फसल थोड़ी खराब हो जाये। एक दिन बड़ा तंग आ कर उसने परमात्मा से कहा - देखिये प्रभु, आप परमात्मा हैं, लेकिन लगता है आपको खेती बाड़ी की ज्यादा जानकारी नहीं है, एक प्रार्थना है कि एक साल मुझे मौका दीजिये, जैसा मैं चाहूँ वैसा मौसम हो, फिर आप देखना मैं कैसे अन्न के भण्डार भर दूंगा। परमात्मा मुस्कुराये और कहा - ठीक है, जैसा तुम कहोगे वैसा ही मौसम दूंगा, मैं देखल नहीं करूंगा।

अब, किसान ने गेहूँ की फसल बोई, जब धूप चाही, तब धूप मिली, जब पानी चाही तब पानी। तेज धूप, ओले, बाढ़, आंधी तो उसने आने ही नहीं दी, समय के साथ फसल बढ़ी और किसान की खुशी भी, क्योंकि ऐसी फसल तो आज तक नहीं हुई थी। किसान ने मन ही मन सोचा अब पता चलेगा परमात्मा को की फसल कैसे करते हैं, बेकार ही इतने बरस हम किसानों को परेशान करते रहे।

फसल काटने का समय भी आया, किसान बड़े गर्व से फसल काटने गया, लेकिन जैसे ही फसल काटने लगा, एकदम से छाती पर हाथ रख कर बैठ गया! गेहूँ की एक भी बाली के अन्दर गेहूँ नहीं था, सारी बालियाँ अन्दर से खाली थी, बड़ा दुखी होकर उसने परमात्मा से कहा - प्रभु ये क्या हुआ ?

तब परमात्मा बोले - "ये तो होना ही था, तुमने पौधों को संघर्ष का ज़रा सा भी मौका नहीं दिया। ना तेज धूप में उनको तपने दिया, ना आंधी ओलों से जूझने दिया, उनको किसी प्रकार की चुनौती का अहसास जरा भी नहीं होने दिया, इसीलिए सब पौधे खोखले रह गए। जब आंधी आती है, तेज बारिश होती है ओले गिरते हैं तब पौधा अपने बल से ही खड़ा रहता है, वो अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष करता है और इस संघर्ष से जो बल पैदा होता है वो ही उसे शक्ति देता है, उर्जा देता है, उसकी जीवटता को उभारता है। सोने को भी कुंदन बनने के लिए आग में तपने, हथौड़ी से पिटने, गलने जैसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है तभी उसकी स्वर्णिम आभा उभरती है, उसे अनमोल बनाती है। "

इसी तरह जिंदगी में भी अगर संघर्ष ना हो, चुनौती ना हो तो आदमी खोखला ही रह जाता है, उसके अन्दर कोई गुण नहीं आ पाता। ये चुनौतियाँ ही हैं जो आदमी रूपी तलवार को धार देती हैं, उसे सशक्त और प्रखर बनाती हैं, अगर प्रतिभाशाली बनना है तो चुनौतियाँ तो स्वीकार करनी ही पड़ेंगी, अन्यथा हम खोखले ही रह जायेंगे। अगर जिंदगी में प्रखर बनना है, प्रतिभाशाली बनना है, तो संघर्ष और चुनौतियों का सामना तो करना ही पड़ेगा।

राष्ट्र-गान



जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे जय हे जय हे जय जय जय जय हे ।

- रविन्द्रनाथ टैगोर

राष्ट्रीय गीत

वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!
सुजलाम्, सुफलाम्, मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्!
शुभ्रज्योत्सनाम् पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्॥

- बंकिमचन्द्र चटर्जी

मौलिक अधिकार

1. समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)
2. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
4. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
5. संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)



संविधान में उपबंधित मौलिक कर्तव्य

1. संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना।
2. स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना।
3. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।
4. देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।
5. भारत के लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।
6. हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना।
7. वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना।
8. मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना।
9. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना।
10. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे।
11. 6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। (86वें संविधान द्वारा जोड़ा गया)

भारत के संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता,
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़ संकल्पित होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी)
को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

अर्धवार्षिक मूल्यांकन 2024

प्रारंभिक विद्यालय में अध्ययनरत वर्ग I एवं VIII के सभी छात्र - छात्राओं की अर्धवार्षिक मूल्यांकन 2024 निम्न तालिका के अनुसार संपादित की जाएगी

तिथि	प्रथम पाली	द्वितीय पाली
	समय 10.00 पूर्वा० से 12.00 अप०	समय 01.00 अप० से 03.00 अप०
18.09.2024 (बुधवार)	पर्यावरण अध्ययन/सामाजिक विज्ञान (कक्षा III-VIII के लिए)	विज्ञान (कक्षा VI-VIII से के लिए)
19.09.2024 (गुरुवार)	राष्ट्रभाषा हिन्दी (कक्षा III-VIII के लिए)	संस्कृत (कक्षा VI-VIII से के लिए)
20.09.2024 (शुक्रवार)	भाषा (हिन्दी/उर्दू) (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा) (मकतब/मदरसा विद्यालयों को छोड़कर सभी विद्यालयों के लिए)	सह-शैक्षिक गतिविधियों का अवलोकन (मकतब/मदरसा विद्यालयों को छोड़कर सभी विद्यालयों के लिए)
21.09.2024 (शनिवार)	भाषा (हिन्दी/उर्दू) (कक्षा III से V के लिए)	भाषा (हिन्दी/उर्दू) (कक्षा VI से VIII के लिए)
22.09.2024 (रविवार)	भाषा (हिन्दी/उर्दू) (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा) (मकतब/मदरसा विद्यालयों के लिए)	सह-शैक्षिक गतिविधियों का अवलोकन (मकतब/मदरसा विद्यालयों के लिए)
23.09.2024 (सोमवार)	अंग्रेजी (कक्षा III-V के लिए)	अंग्रेजी (कक्षा VI-VIII से के लिए)
24.09.2024 (मंगलवार)	गणित (कक्षा III-V के लिए)	गणित (कक्षा VI-VIII से के लिए)
25.09.2024 (बुधवार)	अंग्रेजी (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा)	
26.09.2024 (गुरुवार)	गणित (कक्षा I एवं II के लिए मौखिक परीक्षा)	

पीएम पोषण योजना

चेतना

24 सितंबर 2024 Tuesday मंगलवार

वर्ष 03

पीएम पोषण योजना का मेनू :-

दिनांक	दिन	प्रस्तावित मीनू
24 सितंबर 2024	मंगलवार	जीरा चावल + सोयाबीन + आलू की सब्जी

पीएम पोषण योजना :-

बच्चों को अपने जीवन, भोजन, शिक्षा तथा विकास का अधिकार है। इस अधिकार की प्राप्ति बच्चे करें एवं उन्हें इसके उचित अवसर मिलें, यह राज्य का दायित्व है। भारतीय संविधान की धारा 21A के अंतर्गत 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदत्त है। प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण में मदद करने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पीएम पोषण योजना उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ निम्नवत है :-

- > बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति।
- > बच्चों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि।
- > बच्चों के बीच सामाजिक समता।
- > बच्चों की सीखने की क्षमता एवं आत्मसम्मान के स्तर को बढ़ाना।
- > बच्चों के छीजन में कमी।
- > नामांकन एवं उपस्थिति में निरंतर बढ़ोतरी।
- > बच्चों के ठहराव, अधिगम एवं एकाग्रता सुनिश्चित करने में मदद।

परिवर्तन मूल्य की नई दर की विवरणी (01-10-2022 से प्रभावित)

कक्षा 01 से 05 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	20 Gram	103.00	2.06
सब्जी	50 Gram	22.00	1.10
तेल	5 Gram	121.00	0.60
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.49
जलावन	100 Gram	12.00	1.20
कुल =			5.45

कक्षा 06 से 08 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	30 Gram	103.00	3.09
सब्जी	75 Gram	22.00	1.65
तेल	7.5 Gram	121.00	0.90
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.73
जलावन	150 Gram	12.00	1.80
कुल =			8.17

साप्ताहिक मेनू		
क्र.	दिन	मेनू
1.	सोमवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी
2.	मंगलवार	जीरा चावल + सोयाबीन + आलू की सब्जी
3.	बुधवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल
4.	गुरुवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी
5.	शुक्रवार	पुलाव + काबुली चना + लाल चना का छोला + हरा सलाद + उबला अंडा / मौसमी फल
6.	शनिवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल



चेतना

टीचर्स ऑफ़ बिहार
समस्तीपुर
पिन - 848207 (बिहार)

Mobile : 9473119007
7250818080

email : chetanastr@gmail.com
Website : www.teachersofbihar.org

Follow Us



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar